केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 346 बुधवार 16 जुलाई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कांवड़ यात्रा, 21 जुलाई से बदल जाएगा वाहनों का रूट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांवड़ यात्रा को देखते हुये 21 जुलाई से फोरलेन पर डायवर्जन लागू होगा। कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने पर शहर के अंदर भी कई मार्ग डायवर्ट किए जाएंगे। शहर में 21 जुलाई सोमवार से इसे लागू करने की तैयारी है। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए अधिकारी इस पर अंतिम फैसला लेंगे। सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने बताया कि कांवड़ियों की भीड़ शहर की तरफ आने के साथ ही भदेश्वरनाथ मंदिर की तरफ जाने वाले वाहनों का अन्य मार्गों पर डायवर्जन किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए शहर क्षेत्र में बड़ेवन से शहर की तरफ आने वाले भारी वाहनों को बडेवन से टोल प्लाजा होते हुए पटेल चौक से पचपेड़िया मार्ग से आगे भेजा जाएगा। ब्लॉक रोड–बड़ेवन से आने वाले छोटे वाहनों को ब्लॉक रोड से रौता की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

वहीं फव्वारा तिराहा–कंपनीबाग की तरफ आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को मालवीय रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। दीवानी कचहरी चौराहा–शास्त्री चौक की तरफ से आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को न्याय मार्ग होते हुए कटरा की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। मालवीय तिराहा–गांधीनगर की तरफ आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को मालवीय रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। रौता चौराहा–मालवीय तिराहा से फव्वारा की तरफ आने वाले समस्त प्रकार के वाहनों को ब्लाक रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। रोडवेज तिराहा–मालवीय तिराहा की तरफ आने वाले भारी वाहनों को पचपेड़िया रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा जो पचपेड़िया रोड होते हुए पटेल चौक से गंतव्य को प्रस्थान करेंगे। अस्पताल चौराहे से आने वाले वाहनों को सोनूपार, दक्षिण दरवाजा की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। डारीडीहा की तरफ किसी भी वाहन को नहीं जाने दिया जाएगा। प्रशासन ने अपने स्तर से सुरक्षा के व्यापक प्रबन्ध किये हैं वहीं अनेक संगठन स्वागत की तैयारी में हैं।

छात्र युवा दल की कार्यकारिणी को भंग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक संस्था बस्ती विकास समिति एवं छात्र युवा दल की बैठक नगर सम्पर्क कार्यालय मालवीय मार्ग पर समिति संस्थापक राहुल श्रीवास्तव के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में छात्र युवा दल की समस्त कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया और जल्द ही बस्ती विकास समिति की नगर कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा।

संस्थापक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि संस्था का उद्देश्य लोगों को सामाजिक समस्याओं के समाधान में योगदान करने के लिए प्रेरित करना और एक बेहतर समाज के निर्माण में भागीदार बनाना है।

समिति कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि समिति का कार्य सामाजिक मुद्दों, जैसे गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

इस दौरान ऋषि मिश्रा,पवन वर्मा, अखिलेश त्रिपाठी, सत्येन्द्र मिश्रा, प्रिंस श्रीवास्तव, विनय राजपूत, रोहन श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, पवन अग्रहरि, आदर्श पाठक, विष्णु शर्मा, नरेन्द्र प्रताप सिंह, विवेक श्रीवास्तव, विक्रम चौहान, अरुण पाण्डेय, मनोज राजभर, बच्चू लाल निषाद, विजय पाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

धरती पर सुरक्षित वापस लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली (आभा)। ग्रुप कैप्टन और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पृथ्वी पर वापस आ गए हैं। यह एक्सिओम स्पेस के एक्स–4 मिशन के सफल समापन का प्रतीक है। वह आधिकारिक तौर पर 41 वर्षों के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री और आईएसएस जाने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। इस टीम में पैगी व्हिटसन (कमांडर), स्लावोश उजनांस्की–विस्निव्स्की (पोलैंड), और टिबोर कपु (हंगरी) भी शामिल थे। चालक दल सोमवार (14 जुलाई) को दोपहर 2 बजे स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान 'ग्रेस' पर सवार हुआ, तथा शाम 4.45 बजे आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल से अलग हुआ।

मिशन 14 दिन का था, पर 18 दिन चला। वहां 60 प्रयोग किए गए। इनमें 7 इसरो के थे। शुभांशु 263 किलो वैज्ञानिक सामान और डेटा ला रहे हैं। यह मिशन इसरो के लिए अहम है, क्योंकि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान 2027 में लॉन्च होना है। शुभांशु के मिशन पर 550 करोड़ खर्च आया। शुभांशु शुक्ला की कुशल वापसी पर पीएम मोदी ने खुशी जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूँ, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट रहे हैं। धरती पर उतरने के बाद शुभांशु 7 दिन आइसोलेशन में रहेंगे। 18 दिन शून्य गुरुत्वाकर्षण में बिताकर आ रहे हैं। इस रिहैब प्रोग्राम में फ्लाइट सर्जन उनकी निगरानी करेंगे। भारत लौटने से पहले उन्हें कई चिकित्सकीय, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकनों से गुजरना होगा।

कोटेदारों ने दिया हड़ताल की चेतावनीः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के नेतृत्व में कोटेदारों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कोटेदारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित 7 सूत्रीय ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

कोटेदारों की प्रमुख मांगों में फोन फीडबैक प्रणाली में सुधार शामिल है। वर्तमान व्यवस्था में फोन अक्सर गलत लोगों के पास जाता है। इससे गलत फीडबैक मिलता है और अनावश्यक जांच होती है।

लाभांश दरों में वृद्धि की मांग भी प्रमुख है। उत्तर प्रदेश में खाद्यान्न पर 90 रुपये और चीनी पर 70 रुपये प्रति क्विंटल लाभांश मिलता है। हरियाणा, गोवा और दिल्ली में यह 200 रुपये प्रति क्विंटल या 20,000 रुपये मासिक तक है। अन्य मांगों में डोर स्टेप डिलीवरी की व्यवस्था, बकाया भुगतान की मांग और वितरण प्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन करना शामिल है।

स्वयं सहायता समूह की दुकानों के कमीशन का सीधा भुगतान की मांग भी की गई है। एमडीएम और आईसीडीएस खाद्यान्न पर एनएफएसए जैसा कमीशन देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। कोटेदारों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो अगस्त के पहले तीन दिन राशन वितरण रोक दिया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी शासन–प्रशासन की होगी।

ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाताओं का पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी आधारित पाठ्य पुस्तकों का ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता प्रशिक्षण का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में मंगलवार को हुआ। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन ने कहा कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ब्लाक स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण को निर्धारित समय में पूरा कराते हुए प्रशिक्षण के मूल उद्देश्यों को विद्यालय तक पहुंचाने का दायित्व संदर्भदाताओं पर है। राज्य परियोजना कार्यालय से पर्यवेक्षक के रूप में आए अनिल कुमार ने प्रशिक्षण की उपयोगिता के विषय में बताया। संदर्भदाता प्रवक्ता वन्दना चौधरी, एसआरजी अंगद पाण्डेय और आशीष श्रीवास्तव ने बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान तथा एनसीईआरटी की ओर से जारी की गयी किताबों में किए गए बदलाव आदि के बारे में जानकारी दी। बताया कि कक्षा तीन की पाठ्यपुस्तक वीणा–1 में चार पाठ में राज्य स्तर पर बदलाव किया गया है। नवविकसित पाठ्यपुस्तक वीणा–1 में जोड़े गए पाठ में वाराणसी की यात्रा, घुम्मकड़ तारक, भारत है मेरा घर आदि पाठ पर विस्तार से चर्चा की गयी। संदर्भदाताओं ने गणित मेला पुस्तक पर शिक्षकों से विस्तृत चर्चा किया और पुस्तक वीणा –1 और गणित मेला से संबंधित प्रश्नों का समाधान किया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला समन्वयक प्रशिक्षण स्वप्निल कुमार श्रीवास्तव, डॉ रविनाथ त्रिपाठी, डॉ गोविन्द प्रसाद, कुलदीप चौधरी, शशिदर्शन त्रिपाठी, इमरान सहित पूरे जिले के एआरपी, केआरपी और अन्य प्रतिभागी शिक्षक मौजूद रहे।

एक माह से ए.आर.टी.ओ. प्रशासन का पद खालीः नागरिक परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के प्रदेश मीडिया प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने मांग किया है कि आर.टी.ओ. कार्यालय में ए.आर.टी.ओ. प्रशासन की नियुक्ति सुनिश्चित की जाय जिससे लोगों का आवश्यक कार्य हो सके। महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि जानकारी मिली है कि बस्ती में ए.आर.टी.ओ. प्रशासन के रूप में माला बाजपेयी को कार्यभार संभालना था किन्तु पिछले एक माह से उन्होने कार्यभार ग्रहण नहीं किया जिससे आर.टी.ओ. से सम्बंधित कार्यों में व्यवधान आ रहा है। उन्होने वरिष्ठ अधिकारियों से आग्रह किया कि पद पर तैनाती सुनिश्चित किया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के प्रदेश मीडिया प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि आर.टी.ओ. कार्यालय छबिलहाखोर और कटरा स्थित डी.टी.आई. परिसर में दलालों की भरमार है और उन पर अंकुश न होने के कारण आये दिन जहां नागरिक ठगे जा रहे हैं वहीं मनमाने ढंग से कार्य कर विभाग के राजस्व को सुनियोजित ढंग से चूना लगाया जा रहा है। उन्होने मांग किया कि कार्यालय के आस पास अधिकृत लोगों को ही अनुमति मिले जिससे लोग ठगी का शिकार होने से बच सके।

–आर.टी.ओ. कार्यालय में दलालों पर लगे रोक– महेन्द्र श्रीवास्तव

मानहानि मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

लखनऊ (आभा)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि के एक मामले में लखनऊ की एक अदालत ने जमानत दे दी है। जानकारी के अनुसार, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा की अध्यक्षता वाली एमपी–एमएलए कोर्ट ने उन्हें 20–20 हजार रुपये के दो मुचलके भरने पर राहत दी। यह मानहानि का मामला गांधी द्वारा अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों से जुड़ा है। अदालत के समन का पालन करते हुए, गांधी लखनऊ में सांसदों और विधायकों के लिए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुए।

गांधी की टिप्पणी के बाद, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने लखनऊ की एक अदालत में उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। गांधी ने राहत के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय सैनिकों की कथित पिटाई के बारे में गांधी के बयान से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी पिछली पाँच सुनवाइयों से अदालत में पेश नहीं हो रहे थे।

मुद्दों को लेकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने किया प्रदर्शनः प्रधानमंत्री को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षक एवं पेंशनर्स एसोसियेशन बस्ती शाखा की ओर से कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन कर केन्द्र सरकार द्वारा पेंशनरी रूल में किये गये परिवर्तन का जोरदार विरोध दर्ज कराया गया। धरना प्रदर्शन में माध्यमिक शिक्षक संघ, उ.प्र., प्राथमिक शिक्षक संघ, उ.प्र. तथा विकास भवन कर्मचारी संघ के समर्थन से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी न्यायिक राजेश कुमार यादव को सौंपा गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने व अध्यक्षता राधेश्याम त्रिपाठी ने किया। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा पेंशनरी रूल में किया गया बदलाव स्वीकार नही किया जायेगा। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर इसको लेकर आन्दोलित हैं। मंगलवार को देश के सभी जिलाधिकारी कार्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन कर इसमें सुधार किये जाने की मांग किया, साथ ही आठवें वेतन आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति की मांग प्रमुखता से उठाई गयी।

जिलाध्यक्ष ने स्कूल मर्जर के फैसले को शिक्षा के अधिकार के साथ भद्दा मजाक बताया और कहा सुप्रीम कोर्ट को इस मामले को सज्ञान लेना चाहिये।धरने में पहुंचकर कांग्रेस नेता डा. आलोक रंजन वर्मा ने अपना समर्थन दिया और मांगों को जायज ठहराया।

उक्त जानकारी देते हुये एसोसियेशन के मीडिया प्रभारी डा. एलके पाण्डेय ने कहा श्रीनाथ मिश्र, डा. एलके पाण्डेय, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, चन्द्रप्रकाश पाण्डेय, अरूण कुमार पाण्डेय, प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, विश्वदेव दूबे, सुनील कुमार पाण्डेय, उदयशंकर शुक्ल, अनिरूद्ध त्रिपाठी, मारकण्डेय सिंह, अशोक कुमार मिश्र, रामअधार पाल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा धरना प्रदर्शन में लोगों की संख्या और एकजुटता रेखांकित करती है कि हमारी मांगों पर सरकार को विचार करना ही पड़ेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राधेश्याम त्रिपाठी ने कहा हमे अपने अधिकारों के लिये पूरी एकजुटता से लड़ना होगा। उन्होने धरना प्रदर्शन में शामिल सभी पेंशनर्स व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अपने बूते त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव लड़ेगी सुभासपाः ब्लाक स्तरीय बैठकों में बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सक्रिय भागीदारी के लिये प्रयास तेज कर दिया है। सुभासपा के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार राजभर ने बताया कि मंगलवार को जनपद के सभी विकास खण्डों में बैठक हुई और संगठन की मजबूती के साथ ही चुनाव में भागीदारी पर चर्चा की गई। इसी कड़ी में सर्व सम्मत से दीनानाथ ठाकुर 'नाई' को अति पिछड़ा मोर्चा का जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

सुभासपा जिलाध्यक्ष मनोज कुमार राजभर ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर गरीबों, पिछड़ो, वंचितों की लडाई लड़ रहे हैं। जब से उन्होने घोषणा किया है कि पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अपने बूते लड़ेगी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। बताया कि ब्लाक स्तरीय बैठकों में उमेश कुमार, प्रवीन कुमार, सन्तोष कुमार सरगम, सूरज शर्मा, लवकुश, दिनेश कुमार ठाकुर, धीरेन्द्र कुमार, अमर बहादुर गोड़, मंजन कुमार, मुरारी कुमार शर्मा, अर्जुन राजभर, शिवराम, रामू, राम उजागिर, काली प्रसाद के साथ ही 50 लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।

ब्लाक स्तरीय बैठकों में मुख्य रूप से सुभासपा के प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा राम सरेश राजभर, मण्डल सलाहकार राम किशुन राजभर, मण्डल उपाध्यक्ष मुस्ताक अहमद, राजेश राजभर, लक्ष्मी देवी राजभर, तुलसीराम राजभर, चर्तुभुजी पाण्डेय, कृष्ण कुमार राजभर, विजय राजभर, जगराम राजभर, केशवराम राजभर, के साथ ही अनेक नेताओं ने बस्ती सदर, हर्रैया, साऊघाट, परसुरामपुर, कुदरहा के साथ ही सभी विकास खण्डों की बैठकों में हिस्सा लिया।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय होगी जबाबदेही

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी स्वीश गुप्ता की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराएं।

पी.एम. सूर्यघर, मुफ्त बिजली योजना, डेएनआरएलएम बैंक केडिट लिंकेज, मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन हर घर जल योजना, फैमली आईडी, 15वां वित्त आयोग ग्राम पंचायत, 5वीं राज्य वित्त आयोग योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, सेतुओं का निर्माण, नई सड़कों का निर्माण, ओडीओपी टूलकिट योजना, निर्माण कार्य सीएमआईएस विभागों से संबंधित अधिकारियों को उन्होने निर्देश दिया कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि योजनाओं में लापरवाही अथवा शिथिलता कदापि बर्दाश्त नही होगी। कार्य की प्रगति की नियमित मानीटरिंग की जायेगी। किसी भी स्तर पर शिकायत मिली तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय होगी। निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जो कार्य कार्य पूर्ण हो गये है उसे तत्काल हैण्डओवर किया जाय तथा जो कार्य अपूर्ण है, उसे शीघ्राति शीघ्र पूर्ण कराये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, रश्मि यादव, उमाकान्त तिवारी, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, एलडीएम आर.एन. मौर्या, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, डीएसटीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव व कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विश्व युवा कौशल दिवस पर सप्ताह भर होंगे विविध आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को जन शिक्षण संस्थान के पुराना डाकखाना स्थित कार्यालय पर विश्व युवा कौशल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को कौशल विकास और उससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। निदेशक अजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि 15 से 21 जुलाई तक युवा कौशल सप्ताह में छात्रों द्वारा संचार क्रान्ति और माध्यम जगत की उपयोगिता, कौशल विकास पर केन्द्रित निबन्ध, स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित करने के साथ ही प्रमाण–पत्र का वितरण किया जायेगा।

अजय कुमार ने छात्रों को बताया कि 15 जुलाई को दुनियाभर में विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य है युवाओं को कौशल विकास के महत्व से परिचित कराना और उन्हें रोजगार या व्यवसाय के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना। आज के दौर में जहां बेरोजगारी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है, वहां युवाओं को हुनरमंद बनाकर ही इस समस्या का स्थायी समाधान खोजा जा सकता है। बताया कि जन शिक्षण संस्थान द्वारा वर्ष 2000 से पिछले 25 वर्षों में अनेक युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ा गया और वे आत्मनिर्भर बनकर उदाहरण के रूप में उभरे हैं। यह क्रम अनवरत जारी है।

–कौशल विकास प्रशिक्षण से समृद्ध हो रहे हैं युवा– अजय कुमार उपाध्याय

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभय उपाध्याय, सुनील शर्मा, अरुण कुमार मिश्र, अवनीश शुक्ल, रेनू श्रीवास्तव, अम्बुज यादव, अर्चना शुक्ला आदि ने छात्रों को विश्व युवा कौशल दिवस के महत्व से परिचित कराया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 जुलाई 2025 बुधवार

सम्पादकीय

भाषा और वोट की राजनीति

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने भाषा को सियासी हथियार बना लिया है। भले ही जनाधार खोते राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है। देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र–छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है। विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र–छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर–दराज के गांव–देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है।

मौजूदा स्थितियों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर किए जा रहे नये प्रयोग नई उम्मीद जगा रहे हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा के 13 जिलों में बच्चों को उनकी राज्यभाषा और अंग्रेजी के साथ–साथ मातृभाषा में पढ़ाने के लिये राज्य सरकारों के साथ मिलकर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया। इससे न केवल चयनित जिलों में बच्चों की साक्षरता दर में सुधार हुआ, बल्कि उनमें अन्य भाषा को सीखने की अभिरुचि भी बढ़ी है। एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा, सांस्कृतिक परंपराओं व परंपरागत ज्ञान को शामिल करने के लिये स्थानीय समुदायों की मदद भी ली गई। जिसमें स्थानीय परिवेश में उपजी लोककथाओं, स्थानीय संस्कृति आधारित कहानियां तथा कई पीढ़ियों से हासिल पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया। बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी रहे, इसके लिये रचनाधर्मिता का सहारा भी लिया गया। जिसमें मौखिक शिक्षा प्रणाली का भी उपयोग किया गया। ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार की गई जिससे बच्चे आसानी व रुचि के साथ आसानी से सीख सकें। मसलन कविता पोस्टर, कहानी के पात्रों के चित्र, वार्तालाप दर्शाने वाले चार्ट, शब्द कार्ड, वर्ण मात्रा कार्ड तथा चित्रों के जरिये कहानी बताने वाली किताबें इसमें शामिल की गईं। जिसने छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि जगायी और वे आसानी से सीखने लगे। उदाहरण के लिये छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में जहां पचास फीसदी बच्चे हल्बी बोलते थे, वहां हिंदी में पढ़ाई करने से शिक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। इस क्षेत्र में प्रारंभिक कक्षाओं में हल्बी को हिंदी के साथ जोड़कर पढ़ाया गया। इस शैक्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के बाद सर्वे में यह सामने आया कि बस्तर में औसतन साक्षरता की दर में इकतीस फीसदी की, संख्या ज्ञान में पच्चीस फीसदी और वर्ण–अक्षर पहचान में छब्बीस फीसदी का सुधार हुआ। इसके अलावा मौखिक पाठन में चौदह फीसदी का सुधार आया। निश्चित रूप से इस अभिनव पहल ने देश को संदेश दिया कि मातृभाषा में शिक्षण से साक्षरता व शिक्षा की गुणवत्ता में आशातीत बदलाव लाया जा सकता है।

केशव मौर्य के सहारे भाजपा का ओबीसी दांव

—अजय कुमार—

भारतीय जनता पार्टी में उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर पिछले कई महीनों से चल रहा मंथन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में पार्टी को मिले अपेक्षाकृत कमजोर जनादेश के बाद संगठन के पुनर्गठन की जरूरत महसूस की जा रही है। राज्य में अब तक भूपेंद्र चौधरी के बाद किसी नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा नहीं हो सकी है, और इस विलंब को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में सवाल भी उठने लगे हैं। इस बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की बढ़ती सक्रियता, दिल्ली में लगातार शीर्ष नेताओं से मुलाकातें और ओबीसी समीकरण को लेकर उनका नाम चर्चा के केंद्र में आ गया है।उत्तर प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन लोकसभा चुनाव में चिंताजनक रहा। जहां 2019 में भाजपा ने सहयोगियों सहित 64 सीटें जीती थीं, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 36 रह गई। इसमें भी भाजपा अकेले 33 सीटें जीत पाई, जबकि सपा–कांग्रेस गठबंधन ने 43 सीटों पर कब्जा जमाकर स्पष्ट संकेत दे दिया कि विपक्ष की सामाजिक रणनीति ने भाजपा के परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगाई है। खासतौर पर ओबीसी और दलित समुदाय के मतदाताओं का झुकाव सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले की ओर गया।

ऐसे में भाजपा के रणनीतिकारों को यह समझ में आ गया है कि यदि 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को जीत की हैट्रिक बनानी है, तो संगठन को फिर से सशक्त करना होगा। यही वजह है कि पार्टी अब ऐसा चेहरा तलाश रही है, जो न सिर्फ संगठनात्मक अनुभव रखता हो, बल्कि सामाजिक समीकरणों को साधने में भी सक्षम हो। इस समीकरण में सबसे उपयुक्त नाम एक बार फिर उभर कर आया है केशव प्रसाद मौर्य का।8 जुलाई को केशव प्रसाद मौर्य की दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकातों ने चर्चाओं को हवा दी। यह मुलाकातें केवल शिष्टाचार नहीं मानी जा रही हैं, बल्कि इन्हें संगठन के पुनर्गठन और आगामी चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। खुद केशव मौर्य ने इस बात की पुष्टि की है कि इन बैठकों में 2027 की जीत की रणनीति पर चर्चा हुई। यह वही केशव मौर्य हैं, जिनके नेतृत्व में 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 403 में से 312 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। उस समय वे प्रदेश अध्यक्ष थे और उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का काम किया था।

मौर्य की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे भाजपा के मूल कार्यकर्ता रहे हैं, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद से होते हुए पार्टी की मुख्यधारा में आए। उनका व्यक्तित्व एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर उपमुख्यमंत्री तक का सफर तय करने वाले नेता का है, जो पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। यही वजह है कि संगठन को फिर से सक्रिय और ऊर्जावान बनाने के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।केशव मौर्य का नाम भाजपा के लिए इस समय और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है, क्योंकि पार्टी को एक बार फिर ओबीसी समुदाय को अपने साथ मजबूती से जोड़ना है। भाजपा को अच्छी तरह से यह एहसास हो चुका है कि विपक्ष, खासकर सपा, ओबीसी वोट बैंक को खींचने की पूरी कोशिश में है। अखिलेश यादव ने पीडीए फार्मूले को जिस तरीके से पेश किया है, उसमें ओबीसी और दलित वर्ग को प्रमुखता दी गई है। ऐसे में भाजपा को जवाब उसी अंदाज में देना होगा। और यह काम केशव मौर्य जैसे कद्दावर ओबीसी नेता ही कर सकते हैं, जिनकी सामाजिक स्वीकार्यता व्यापक है।

हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष पद पर फैसला केवल सामाजिक समीकरणों के आधार पर नहीं लिया जाएगा। इसके पीछे संगठन और सत्ता के बीच संतुलन की भी बड़ी भूमिका है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ को 2027 में मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में दोबारा प्रोजेक्ट किया जाना तय है। लेकिन समय–समय पर पार्टी के अंदर से ऐसी आवाजें उठती रही हैं कि केशव मौर्य को भी सीएम पद का दावेदार घोषित किया जाना चाहिए। ऐसे में पार्टी के लिए यह जरूरी हो जाता है कि मौर्य को संगठन में लाकर उन्हें सत्ता की दौड़ से बाहर रखा जाए, ताकि योगी आदित्यनाथ का रास्ता साफ रहे।इस पूरी रणनीति के पीछे केंद्रीय नेतृत्व की सोच यह है कि पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए, जो न सिर्फ सामाजिक समीकरणों को साधे बल्कि संगठन को भी धार दे। और इस पैमाने पर केशव मौर्य खरे उतरते हैं। यही कारण है कि अमित शाह ने हाल ही में एक कार्यक्रम में मौर्य को 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया, जबकि योगी आदित्यनाथ को 'लोकप्रिय मुख्यमंत्री' बताया। यह संकेत है कि पार्टी नेतृत्व दोनों नेताओं को संतुलित रूप से आगे बढ़ाना चाहता है।

इस बीच भाजपा के भीतर और भी कई नामों पर विचार किया जा रहा है। ओबीसी वर्ग से स्वतंत्रदेव सिंह, अमर पाल मौर्य, धर्मपाल सिंह लोधी, बीएल मौर्य और बाबूराम निषाद के नाम चर्चा में हैं। वहीं दलित समुदाय से बेबी रानी मौर्य का नाम भी सामने आया है। ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, लक्ष्मीकांत वाजपेयी और केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के नामों पर विचार हो रहा है। यदि पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश को साधना चाहती है, तो जितिन प्रसाद और महेश शर्मा जैसे नेता विकल्प हो सकते हैं।

हालांकि भाजपा की रणनीति यह भी रही है कि पार्टी आमतौर पर उन नेताओं को अहम पद देती है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा में नहीं होता। हाल ही में राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली में मुख्यमंत्री पद की नियुक्तियों ने यही साबित किया है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि मौर्य का नाम ही फाइनल है, लेकिन यह जरूर है कि वे इस रेस में सबसे आगे हैं।प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. दिनेश शर्मा ने स्पष्ट किया है कि पार्टी की एक तय प्रक्रिया होती है। पहले सभी प्रदेश इकाइयों के चुनाव कराए जाते हैं, फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है और उसके बाद प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति होती है। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब प्रदेशों में लगभग चुनाव हो चुके हैं, इसलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति किसी भी समय हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर देरी के पीछे चार प्रमुख कारण माने जा रहे हैं पहला, नया अध्यक्ष किस जाति या वर्ग से होगाय दूसरा, क्या वह पूर्वांचल से होगा या पश्चिम यूपी सेय तीसरा, क्या वह विपक्ष के पीडीए समीकरण को तोड़ पाएगाय और चौथा, क्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उस नाम से सहज होंगे। सूत्रों की मानें तो पार्टी इन चारों सवालों पर गहन मंथन कर रही है और जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।अभी तक पार्टी की रणनीति यही रही है कि 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए संगठन को पहले से तैयार किया जाए। इसीलिए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर पार्टी जल्दबाजी नहीं दिखा रही है। लेकिन यह भी सच है कि संगठनात्मक स्तर पर खालीपन लंबे समय तक नहीं चल सकता। कार्यकर्ताओं को दिशा देने के लिए प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका बेहद अहम होती है। और यही वजह है कि अब पार्टी पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह जल्द से जल्द इस नियुक्ति को अंतिम रूप दे।

अगर केशव मौर्य को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है, तो भाजपा एक साथ कई निशाने साध सकेगी एक, संगठन को अनुभव और जनाधार से लैस नेतृत्व मिलेगाय दो, ओबीसी समाज को संदेश जाएगा कि पार्टी उनके भरोसे पर कायम हैय और तीन, सत्ता और संगठन के बीच संतुलन बना रहेगा, जिससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को चुनौती नहीं मिलेगी।अब सबकी निगाहें दिल्ली पर हैं, जहां से भाजपा के बड़े फैसले होते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा एक बार फिर केशव मौर्य पर भरोसा जताएगी या किसी नए चेहरे को सामने लाकर चौंकाएगी। लेकिन इतना तय है कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति भाजपा की 2027 की रणनीति का पहला बड़ा संकेत होगी। और संभव है कि यह संकेत संगठन में नई ऊर्जा और विपक्ष को सीधी चुनौती देने की दिशा में पहला कदम हो।

कैसे पनपा छांगुर बाबा का साम्राज्य...?

—राजेश कुमार पासी—

अकसर हिन्दू संगठन लव जिहाद का मुद्दा उठाते रहते हैं लेकिन सभी उनका मजाक उड़ाते हैं कि ये उनकी साम्प्रदायिक सोच है, ऐसा कुछ नहीं है । विडम्बना यह है कि बार–बार लव जिहाद के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन उनकी अनदेखी कर दी जाती है । लव जेहाद कुछ और नहीं है बल्कि हिन्दू लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाने का एक तरीका है । यह भी बार–बार सुनने में आता है कि लव जेहाद के लिए मुस्लिम लड़कों को पैसा दिया जाता है ताकि वो हिन्दू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करें और इसके बाद उन्हें इस्लाम कबूल करवायें । यूपी के बलरामपुर के उतरौला के छांगुर बाबा के मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि इस देश में सुनियोजित तरीके से धर्म परिवर्तन का धंधा चल रहा है । मुस्लिम देशों से इसके लिए बेइंतहा पैसा आ रहा है इसलिए इस धंधे के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है । मुस्लिम लड़कों के लिए ये दोगुने फायदे का काम है । एक तो उन्हें इस काम के लिए मोटी रकम मिलती है तो दूसरी तरफ उन्हें इस काम से धर्म की सेवा का मौका भी मिलता है । मौलाना उन्हें इस काम के बदले जन्नत का लालच देते हैं । उतरौला में पैदा होने वाला छांगुर बाबा कभी भीख मांग कर गुजारा करता था और इसके बाद उसने नकली अंगूठी बेचने का धंधा शुरू किया लेकिन जब उसने धर्म परिवर्तन का धंधा शुरू किया तो वो सैकड़ों करोड़ का स्वामी बन गया । आसपास के इलाकों में उसका इतना दबदबा हो गया कि उसके खिलाफ मुंह खोलना किसी के लिए संभव नहीं था । वास्तव में उसने अपने इलाके में पुलिस–प्रशासन और अदालत में इतनी पकड़ बना रखी थी कि उसके खिलाफ आवाज उठाने वाले के ऊपर फर्जी मुकदमें ठोक दिये जाते थे । हैरानी की बात है कि कई एकड़ की सरकारी भूमि पर उसने कब्जा करके बड़ी इमारत बनाकर अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था लेकिन वहां का प्रशासन आँखे बंद करके बैठा रहा ।

सवाल यह है कि पिछले 15–16 सालों से बलरामपुर में गैरकानूनी धंधे कर रहे छांगुर बाबा पर पुलिस और प्रशासन इतने मेहरबान क्यों थे । मैं सरकारी सेवा में 27 साल रहा हूं, अच्छी तरह जानता हूं कि अफसर सब कुछ देखकर अनदेखा क्यों करते हैं । इस सच को भी जानता हूं कि इस अनदेखी के लिए पैसा ऊपर से नीचे तक जाता है । मतलब साफ है कि स्थानीय प्रशासन में बैठे लोगों को सब कुछ पता था लेकिन उन्हें अनजान बने रहने के लिए छांगुर बाबा नियमित रूप से मोटा पैसा दे रहा होगा । मुख्यमंत्री योगी कितने भी सख्त प्रशासक हों लेकिन अभी भी पुराना इको सिस्टम काम कर रहा है । सच यह भी है कि अगर योगी मुख्यमंत्री नहीं होते तो यह बाबा कभी पकड़ में नहीं आता । ये योगी ही हैं जिनके कारण प्रशासन उसके खिलाफ कार्यवाही करने को मजबूर हुआ अन्यथा ये मामला दबा दिया जाता । आज ईडी भी उसके खिलाफ जांच कर रही है लेकिन सवाल यह है कि लगभग 300 करोड़ की फंडिंग जुटा लेने वाले बाबा पर किसी की नजर पहले क्यों नहीं पड़ी । मुझे ऐसा लगता है कि छांगुर पर कार्यवाही के साथ–साथ उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जानी चाहिए जो उसकी मदद कर रहे थे । मेरा तो मानना है कि बाबा के खिलाफ कार्यवाही से पहले इनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि उनके लालच ने ही ऐसा बाबा पैदा किया था । सरकार से वेतन लेने वाले ये लोग देश के खिलाफ जाकर बाबा का काम कर रहे थे । घर का एक छज्जा इन्हें दिखाई दे जाता है लेकिन 70 कमरों वाला महल इन्हें दिखाई नहीं दिया । बैंक खातों में इतने बड़े लेनदेन के बावजूद आरबीआई को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई । उसने अपनी इमारत की दीवार बहुत ऊंची बनाई हुई थी और उन पर बिजली वाली कंटीली तारें लगाई हुई थी । किसी ने यह नहीं सोचा कि इतनी सुरक्षा क्यों की जा रही है और क्या छिपाया जा रहा है । पुलिस को कभी इस इमारत में आने–जाने वालों पर कोई शक नहीं हुआ और उसे किसी खबरी ने कभी नहीं बताया कि वहां क्या चल रहा है । लोकल पुलिस से उसके कारनामे कैसे छुपे रह गए । छांगुर बाबा ने गरीब एवं विधवा हिन्दू लड़कियों और प्रेमजाल में फंसाकर लाई गई गैर–मुस्लिम लड़कियों के धर्मपरिवर्तन और यौन शोषण की पूरी व्यवस्था तैयार की हुई थी । इसके लिए उसने कोडवर्ड बनाए हुए थे, मतांतरण को मिट्ठी पलटना कहा जाता था । लड़कियों को प्रोजेक्ट कहा जाता था और उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित करने को काजल करना कहा जाता था, दर्शन करना मतलब बाबा से मिलवाना था । बाबा आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा और गैर–इस्लामी लड़कियों को बहला–फुसलाकर कर मतांतरण के लिए इस्तेमाल करता था । उसने मतांतरण के लिए जाति–धर्म के अनुसार एक निश्चित रकम तय की हुई थी । इसका नेटवर्क सिर्फ बलरामपुर तक नहीं था बल्कि यूपी के कई इलाकों में फैला हुआ था । यूपी से बाहर भी उसने अपना धंधा फैलाया हुआ था । शिक्षा की आड़ में उसने विदेशी फंडिंग की मदद से बड़ी संख्या में मदरसों का निर्माण किया हुआ था । वो सस्ती और सरकारी जमीनों पर मदरसों को निर्माण करवाता था और फिर उसके नाम पर विदेशी फंडिंग हासिल करता था । कितनी अजीब बात है कि गाजा में मुस्लिम बच्चे भूखे मर रहे हैं लेकिन मुस्लिम देश उनकी मदद को आगे नहीं आ रहे हैं लेकिन धर्म परिवर्तन के लिए ये देश पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं । ये मुस्लिम देश गरीब मुस्लिमों की मदद करने की जगह गैर–मुस्लिमों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए खुले दिल से पैसा बांट रहे हैं । गरीब अफ्रीकी देशों में मुस्लिम समाज के लोग भूखे मर रहे हैं और उनकी मदद केवल यूरोपीय देशों द्वारा की जा रही है । अरबी मुस्लिम अपने सोने के महलों में अय्याशी कर रहे हैं लेकिन उनकी तरफ देखने को तैयार नहीं हैं । कितनी अजीब बात है कि जो पहले से मुस्लिम हैं, उनकी चिंता नहीं है लेकिन जो गैर–मुस्लिम हैं, उनको मुस्लिम बनाने के लिए ये लोग अरबों रुपये लुटाने के लिए तैयार हैं । ये सोचना गलत होगा कि इन लोगों के पास केवल एक छांगुर बाबा होगा बल्कि मेरा मानना है कि इन्होंने ऐसे बाबाओं की एक फौज तैयार कर रखी होगी ।

एक हिन्दू लड़की, जिसका मतांतरण के बाद आयत खान नाम रख दिया गया था, उसने बताया है कि ये लोग कहते थे कि 2047 में भारत को इस्लामिक मुल्क बना देंगे । उसे बताया गया कि तुम मुस्लिम बन गई हो, अब तुम्हें भी जन्नत मिल जाएगी । अभी इस मामले की बहुत पर्तें खुलनी है, लगता है कि ये मामला बहुत बड़ा है । छांगुर बाबा के कई माफिया गिरोह के साथ मिलीभगत सामने आ रही है । वैसे भी इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी जमीनों पर कब्जा बिना माफिया की मदद के संभव नहीं लगता । हिन्दू समाज को इस मामले पर नजर रखनी होगी क्योंकि उसे धर्मनिरपेक्षता की भांग पिलाकर मूर्ख बनाया जा रहा है । कई मुस्लिम संगठन भारत को सुनियोजित तरीके से इस्लामिक देश बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं । छांगुर बाबा अकेला नहीं हो सकता और न जाने कितने छांगुर बाबा हमारे देश में छुप कर इस काम में लगे हुए होंगे । केन्द्र सरकार को विपक्ष शासित राज्यों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण विपक्षी दलों की सरकारें ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही कभी नहीं करेंगी ।

टेरर फंडिंग के खतरे

— ललित गर्ग—

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई–कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नोलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने–बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल–कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय–समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो–रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं।

घर में घुसकर पुरोहित की निर्मम हत्या, कमरे में मिली खून से लथपथ लाश

संवाददाता–देवरिया। एक पुरोहित की घर में घुसकर निर्मम हत्या कर दी गई है। कमरे में पुरोहित की खून से लथपथ लाश मंगलवार की सुबह मिली। उनके शरीर पर जगह–जगह चाकू के जख्म हैं। माना जा रहा है कि कातिल ने बड़ी बेरहमी से चाकुओं से गोदकर पुरोहित को मार डाला। पुरोहित घर पर अकेले ही रहते थे। उनका इकलौता बेटा इन दिनों पश्चिम बंगाल में रहता है।

यह वारदात देवरिया के बरहज थाना क्षेत्र के धौला पंडित गांव में हुई है। सोमवार की रात घर में घुसकर पुरोहित की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी गई। आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह हुई। सूचना मिलते ही एएसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल में जुटी है। एसओजी समेत तीन टीमें घटना के पर्दाफाश की कोशिशों में जुटी हैं।

धौला पंडित गांव के रहने वाले रामाशीष पांडेय पुत्र स्व.रामनिवास पांडेय पुरोहित थे। घर पर अकेले ही रहते थे, जबकि उनका इकलौता बेटा इन दिनों पश्चिम बंगाल में है। मंगलवार की सुबह वह पड़ोसियों को बाहर नहीं दिखे तो उन्हें कुछ संदेह हुआ। इसके बाद जब वह अंदर जाकर देखे तो अवाक रह गए। कमरे में खून से लथपथ रामाशीष पांडेय का शव पड़ा था। दूर तक खून के छींटे पड़े थे। शरीर पर जगह–जगह चाकू से घाव था। यह देख लोगों ने शोर किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस तुरंत ऐक्टिव हो गई। सीओ अंशुमन श्रीवास्तव, एएसपी सुनील कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच की।

हत्या जैसे जघन्य अपराध की सूचना मिलते ही एएसपी, सीओ समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। एसओजी, फोरेंसिक और डाग स्क्वायड टीम ने भी मौके पर पहुंच जांच की। पुलिस इलेक्ट्रानिक सर्विलांस का सहारा ले रही है। जिस कमरे में पुरोहित की हत्या की गई है, उस कमरे में सामान बिखरा पड़ा है। ऐसा लग रहा है कि पहले लूटपाट हुई है और फिर विरोध करने पर उनकी हत्या कर दी गई है। यह भी हो सकता है नीयत हत्या की ही रही हो और पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए सामान बिखेर दिया गया हो। फिलहाल पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

अवैध हथियारों की तस्करी का भंडाफोड़, चार तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। इकौना पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद–फरोख्त के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। दरअसल पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में एसओजी और थाना इकौना पुलिस टीम ने चार शातिर हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा की 14 जुलाई 2025 की रात को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने नरायनपुर खड़ंजा मार्ग स्थित पुलिया के पास से चारों आरोपियों को दबोचा। इनमें दो विक्रेता और दो खरीदार शामिल हैं। वहीं पुलिस ने मौके से 7 अवैध शस्त्र, 8 कारतूस, 4 मोबाइल फोन, 2 मोटरसाइकिल और 5,700 रुपये नकद बरामद किए।

गिरफ्तार आरोपियों में विवेक शर्मा और अभय शर्मा भलुहिया दसौंधी के, आदेश चौधरी उर्फ राजा राजगढ़ गुलरिहा का, और ओमप्रकाश तिवारी जोकहा पड़ोसी जनपद बहराइच का रहने वाला है। वहीं पूछताछ में पता चला कि आरोपी पहले भी अवैध हथियारों की खरीद–फरोख्त कर चुके हैं। इनके पास बरामद हुई बाइक शास्त्रों और कारतूसों का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

थाना इकौना में आयुध अधिनियम की धारा 3$5$9$25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को आरोपियों के फेसबुक अकाउंट पर अवैध हथियारों के फोटो प्रदर्शित करने की शिकायत भी मिली थी। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर हथियार तस्करी के अन्य नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।

दिशा की बैठक में सांसद ने दिए निर्देश, लखपति दीदियों की सूची जनप्रतिनिधियों को मिलेगी

संवाददाता–बहराइच। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद डॉ. आनन्द कुमार गोंड की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, सांसद कैसरगंज करण भूषण सिंह और एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत जनपद की 98,640 लखपति दीदियों की ब्लॉकवार सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। इससे जनप्रतिनिधि अपने स्तर पर इन महिलाओं को सम्मानित कर सकेंगे। सांसद डॉ. गोंड ने स्वयं सहायता समूहों के उत्कृष्ट उत्पादों की मार्केटिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मनरेगा योजना की समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में लेबर मद में 11,277.41 लाख के बजट से जून तक 10,585.11 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इससे 43. 52 लाख मानव दिवस का सृजन हुआ है। बैठक में ड्रेनेज खंड को जनपद के बड़े नालों की सफाई का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश भी दिया गया।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता अन्तर्गत राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन व पारिवारिक लाभ योजना की समीक्षा के दौरान सुझाव दिया गया कि ब्लाक स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की बुकलेट जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करायी जाय ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके और वह उसका लाभ उठा सके तथा अभियान संचालित कर सभी वंचित पात्र लोगों को योजनाओं से आच्छादित भी किया जाय।

इस सम्बन्ध में डीएम मोनिका रानी ने बताया कि वृर्षाऋतु के पश्चात जनपद में पुनः सेवा से संतृप्तिकरण अभियान संचालित किया जायेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा के दौरान अध्यक्ष डॉ. गोंड ने निर्देश दिया कि स्थायी सूची से हटाये गये अपात्रों की सूची जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध करा दी जाये ताकि वे भी अपने स्तर से पात्रता का सत्यापन करा सकें। इसके अलावा सर्वे कार्य पूरा होने के पश्चात तैयार होने वाली सूची भी जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध करायी जाय।

घर की दीवार फांदकर एक घर से हजारों की चोरी

संवाददाता–श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र के मोहरनिया निवासी राम लोचन वर्मा के घर के पीछे की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश कर गए। इस दौरान परिजन खा पीकर छत पर सो रहे। घर के अंदर दाखिल हुए चोरों ने कमरे के दरवाजे का ताला तोड़कर दिया और अन्दर घुस गए। जहां अलमारी में रखे पांच हजार रुपये नकदी, सोने चांदी के जेवर समेट लिया और जाने लगे। इस दौरान राम लोचन के पुत्र रवि को लघुशंका लगी तो वही छत नीचे उतर रहा था। जिसने चोरों को देखा तो डर गया और वापस छत पर पहुंचा तथा परिजनों को जगाकर जानकारी दी। जब तक परिजन छत से नीचे पहुंचे तब तक चोर सारा माल लेकर फरार हो गए।

पीड़ित ने सोनवा पुलिस को तहरीर देकर चोरी का खुलासा किए जाने व चोरी गए सामान को बरामद करए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पॉक्सो एक्ट में झूठा केस दर्ज कराना पर पड़ा महंगा, 3 दिन की कैद और जुर्माना भी

संवाददाता–गोण्डा। जिले में अपनी नाबालिग पुत्री से छेड़छाड़ व पाक्सो एक्ट के आरोप में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराना वादी को महंगा पड़ गया। मामले की सुनवाई कर रहे अपर जिला जज राजेश नारायण मणि त्रिपाठी ने वादी को तीन दिन की कैद और पांच हजार का जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माने की राशि की अदायगी न करने पर तीन दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। प्रकरण थाना कौड़िया के अंतर्गत झौहना का है। यहां के वादी ने जिला सीतापुर के गांव व थाना रामपुर निवासी के विरुद्ध इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि तीन अप्रैल 2022 को उसकी नाबालिग लडकी स्कूल से घर आ रही थी। उसे पकड़कर आरोपी लूटपाट संग अश्लील हरकतें करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट व छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे के ट्रायल के दौरान अभियोजन द्वारा घटना साबित नहीं की जा सकी। अदालत ने वादी द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट को झूठी करार देते हुए आरोपित को दोषमुक्त कर दिया। साथ ही वादी मुकदमा के विरूद्ध अदालत ने झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। मुकदमा दर्ज होने व नोटिस तामीला होने के बाद भी वादी मुकदमा अदालत पर हाजिर नहीं आया। इस पर अदालत ने उसके खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी कर दिया। पुलिस ने वादी मुकदमा को गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया गया। वादी द्वारा अदालत के समक्ष जुर्म इकबाल का प्रार्थना पत्र देते हुए मुकदमा समाप्त करने की याचना की गई। अदालत ने वादी मुकदमा के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए तीन दिन का साधारण कारावास व पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

बूढ़ी राप्ती में डूबकर युवक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। गाय चराने गया एक युवक नदी में डूब गया। मौके पर पहुंचे स्थानीय गोताखोरों ने युवक को बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के एकघरवा के पास बूढ़ी राप्ती नदी बहती है। मंगलवार को गांव निवासी सूरज कुमार (18) पुत्र शोभाराम अपन गाय चराने के लिए नदी की ओर ले गया था। इस दौरान गाय नदी में कूद गई और तैर कर उस पार चली गई। जिसे लाने के लिए सूरज नदी में उतर कर उस पार जाने लगा। इस दौरान गहराई का अंदाजा न होने के कारण सूरज गहरे पानी में चला गया और डूब। आस पास मौजूद लोगों के चिल्लाने पर मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। गांव के ही कुछ गोताखोरों ने नदी में कूद कर सूरज को बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई।

सड़क हादसों में भाई बहन समेत नौ लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। अलग अलग सड़क हादसों में भाई बहन समेत नौ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सहां से एक महिला को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के कथरामाफी निवासी रियाज अहमद (25) पुत्र सईद अहमद मंगलवार को अपनी बहन अफसर जहां (36) पत्नी इमराना को बाइक से लेकर उसके ससुराल शंकरपुर थाना मटेरा जनपद बहराइच छोड़ने जा रहा था। हरदत्त नगर गिरन्ट थाना क्षेत्र के खान चौराहे के पास दूसरे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में भाई बहन दोनों घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां से अफसर जहां को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया गया। इसी तरह इकौना थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास नेशनल हाइवे 730 पर मंगलवार को साइकिल व बाइक में टक्कर हो गई। हादसे में बलरामपुर जिले के ललिया थाना क्षेत्र स्थित कोड़री निवासी रामचंद्र (30) पुत्र रामकरन व अनीषा देवी पत्नी मिश्रीलाल घायल हो गई। दोनों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। वहीं राजपुर मोड़ के पास दो बाइक में टक्कर हो गई। हादसे में मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम संगमपुरवा निवासी अमिरका प्रसाद (30), कामता प्रसाद (55), भिनगा क्षेत्र के ग्राम भवानीनगर निवासी अशोक (18) व परेवा देवी (50) घायल हो गए। सभी घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया गया। कोतवाली भिनगा के बनघुसरा मोड़ के पास बाइक की टक्कर से बाइक सवार भिनगा क्षेत्र के ग्राम कोड़री निवासी सर्वेश (20) गंभीररूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया गया।

कुत्तों के झुंड ने किशोर की जांघ व सिर चबाया, मौत, बाल सहित सिर की चमड़ी उखाड़ ले गए कुत्ते

संवाददाता–बहराइच। ग्राम पंचायत कम्हरिया निवासी नूरुद्दीन (12) पर मंगलवार की सुबह आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। नूरुद्दीन को अधमरी हालत में इलाज के लिए सीएचसी शिवपुर ले जाया गया। जहां उसकी हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में भी नूरुद्दीन की हालत गंभीर बनी रही और चिकित्सकों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

खैरीघाट थाना क्षेत्र के कम्हरिया निवासी नूरुद्दीन मंगलवार की सुबह लगभग सात बजे घर से नित्यक्रिया की बात कहकर निकला था। नूरुद्दीन गांव के बाहर निकला ही था कि उस पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने नूरुद्दीन को दौड़ा–दौड़ा कर नोचा और सिर व जांघ को चबा डाला। नूरुद्दीन की चीख सुन गुजर रहे राहगीर दौड़े और डंडा पटक कर कुत्तों को भगाया और परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना पर पिता छब्बन मौके पर पहुंचे। बेटे को लहुलुहान देख छब्बन बिलख पड़े और नूरुद्दीन को गोद में उठाकर सीएचसी शिवपुर पहुंचाया। जहां सीएचसी अधीक्षक डॉ. नलिन राजा ने प्राथमिक इलाज कर किशोर को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। अधीक्षक ने बताया कि किशोर के सिर, कमर व पैर पर गंभीर घाव हैं। मेडिकल कॉलेज से भी नूरुद्दीन को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। कुत्ते के हमले की सूचना पर नायब तहसीलदार हर्षित पांडेय, क्षेत्रीय लेखपाल प्रदीप कुमार व थाना प्रभारी सूरज राणा घटना स्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। नायब तहसीलदार ने अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ने की बात कही है।

आवारा कुत्तों के झुंड ने नूरुद्दीन के सिर को गंभीर रुप से चबा डाला। कुत्ते नूरुद्दीन के सिर से बाल सहित चमड़ी उजाड़ ले गए। यही नहीं कमर के पास के हिस्से को चबा कर मांस नोच ले गए। नूरुद्दीन को देखने के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण बच्चों को घर से बाहर निकलने नहीं दे रहे है। दहशत इतनी ज्यादा है, कि ग्रामीण हाथों में डंडा लेकर निकल रहे हैं।

शिवपुर विकासखंड क्षेत्र में आवारा कुत्तों का हमला कोई पहली बार नहीं है। नूरुद्दीन पर हमला करने के तीन दिन पहले शनिवार को कुत्तों ने सेमरिया गांव निवासी दिलशाद (07) पर हमला किया था। हमले में गंभीर रूप से घायल दिलशाद का इलाज ट्रामा सेंटर लखनऊ में चल रहा है। इससे पहले फरवरी महीने में कुत्तों ने मटेरा कला गांव निवासी बालिका पिंकी को नोचकर मौत के घाट उतार दिया था। वहीं 16 अप्रैल को मामा के घर आई समरीन (09) को, 14 अप्रैल को अंजलि (04) को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। कई अन्य बच्चों को भी कुत्ते घायल कर चुके हैं।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार गोसाईगंज महोदय तहसील सदर जिला– अयोध्या

वाद सं. 5516/20 ई0

घिराऊ

बनाम

अनारा देवी आदि

बनाम–1– कुन्ज बिहारी लाल 2– बृजेश कुमार 3– सत्यम पुत्रगण स्वर्गीय सालिकराम 4– संध्या 5– सुष्मिता पुत्रीगण स्वर्गीय सालिकराम 6– अनारा देवी पत्नी स्वर्गीय सालिकराम 7– घिराऊ 8– जगदेव पुत्रगण स्वर्गीय भरोसे 1 ता0 8 समस्त निवासीगण ग्राम–अब्बू सराय (बढई का पुरवा) परगना मगलसी तहसील सदर जनपद–अयोध्या

तारीख पेशी 21–07–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 07 के 21 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मो0 सैफ शेख ग्राम– रैथुआ तहसील सोहावल थाना– पूरा कलंदर जनपद अयोध्या (उ.प्र.) का निवासी है। आधारकार्ड में प्रार्थी का नाम सैफुद्दीन हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर मो0 सैफ शेख कराया जाय।

विधिक नोटिस

नोटिस मिनजानिव चन्द्रमणि तिवारी बालिग पिता स्व० दुर्गा प्रसाद तिवारी निवासी ग्राम–पनेराभारी पोस्ट–महुआपार थाना–हर्रया, जिला–वस्ती जरिए अनिल कुमार पाण्डेय एडवोकेट सिविन्न बार एसोसियेशन नई विल्डिंग कमरा नम्बर–28 दीवानी कचहरी बस्ती

बनाम

दुर्गेश कुमार गुप्ता वालिग पुत्र जगदीश प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम–हरैया वार्ड नं०–6 मनोरमा नगर नगर पंचायत हरैया, पोस्ट व थाना–हरैया, जिला–बरती।

मैं अपने मुवक्किल चन्द्रमणि तिवारी पुत्र स्व० दुर्गा प्रसाद तिवारी के तरफ से आपको निम्नलिखित आधारों पर नोटिस देने हेतु निर्देशित किया गया हूँ। अस्तु अपने मुवक्किल के निर्देशों पर यह नोटिस आपको दे रहा हूँ।

1. यह कि मेरे मुवक्किल तथा आप विपक्षी के मध्य पूर्व में काफी मधुर पारिवारिक मधुर सम्बन्ध थे तथा पक्षों का एक दूसरे के प्रति सुख–दुख में शामिल सरीक थे।

2 यह कि विपक्षी दुर्गेश कुमार गुप्ता पुत्र जगदीश कुमार गुप्ता दुकान चलाते थे उन्होनें व्यवसाय में धन की कमी के कारण दुकान का सुचारू रूप से कार्य ना हो पाने के का जिक्र मेरे मुवक्किल से किया तथा मदद की इच्छा व्यक्त किया।

3. यह कि मेरे मुवक्किल एवं आपके बीच पारिवारिक मधुर सम्बन्ध के कारण मेरे मुवक्किल द्वारा विपक्षी की स्थिति पर विचार करते हुए मदद की भावना से रूपये उपलब्ध कराने की बात किया।

4. यह कि विपक्षी की मांग पर सघ्मायनापूर्वक मेरे मुवक्किल ने आप विपक्षी को विभिन्न तिथियों पर दो लाख तथा कुछ दिन बाद पुनः दो लाख तथा एक बार 1 लाख रूपया नकद तथा 2 लाख 90 हजार रूपया आर०टी०जी०एस० के माध्यम से खाते में दिया जिसे आप विपक्षी ने अपने कपड़ा व्यवसाय में व्यय कर लाभ अर्जित किया।

5. यह कि विपक्षी द्वारा धीरे–धीरे समयान्तराल पर एक वर्ष में सम्पूर्ण धनराशि अदा करने की बात कही गयी थी जिसका पालन नही कर रहे है।

6. यह कि मेरे मुवक्किल द्वारा आप विपक्षी को दिये गये रूपये 5 लाख नगद तथा 2 लाख 90 हजार बैंक अन्तरण द्वारा दिये गये धनराशि की मांग करने पर आप विपक्षी ने अपने आर्थिक उत्तरदायित्व को स्वीकार मेरे मुवक्किल को अपने खाते 50100192925571 एच०डी०एफ०सी० बैंक का एक चेक चेक सं०–000081 मु० 5,00,000/– रूपये दिनांक 02.05.2025 को जारी किया तथा एक चेक खाता नम्बर–50100192925571 का चेक नम्बर–000080 एच०डी०एफ०सी० बैंक का मु० 2 लाख 90 हजार का दिनांक 17.03.2025 को जारी किया जिसे हमारे मुवक्किल ने अपने यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया के खाता नम्बर–643902010013931 में दिनांक 13.06.2025 को दोनों चेक जमा किया जिसमें मु० 5 लाख रूपये की धनराशि वाले चेक नम्बर–000081 बैंक टिप्पणी पेमेंट स्टॉप्ड बाय ड्रॉवर तथा 2,90,000/–रूपये के चेक नम्बर–000081 में बैंक टिप्पणी अल्टरेशन ओर इंस्ट्रूमेंट टू अदर थन डेट फाइल्ड अल्टरेशन करेक्शन आर प्रोहोबिटेड यूआर के साथ वापस हो गया।

7. यह कि आप द्वारा जारी किये गये चेक का भुगतान रूकवाकर तथा बैंक द्वारा दूसरे चेक की गलत टिप्पणी के साथ अनादृत किया जो कि एक गम्भीर अपराध है। आप द्वारा स्वयं जारी किये गये चेक का भुगतान रोकना तथा बैंक से मिल मिलाकर गलत टिपाणी लगाना सर्वथा उचित नहीं है। तथा एक गम्भीर अपराध है जो कि आपके द्वारा कारित किया गया है जिसके द्वारा मेरा मुवक्किल एन०आई० एक्ट के अन्तर्गत बाध्य है। परन्तु ऐसी किसी कार्यवाही के पूर्व आपको यह नोटिस दी जा रही है कि आप अपने द्वारा जारी किये गये ब्रेक की धनराशि मेरे मुवक्किल को नोटिस प्राप्ति की तिथि द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत अदा कर देवे। ऐसा ना करने पर मेरा मुवक्किल आपके विरूद्ध कार्यवाही प्रारम्भ कर देगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी।

अतः आपको नोटिस दी जा रही है कि नोटिस प्राप्ति के 15 दिन के अन्दर आप मेरे मुवक्किल उक्त की धनराशि अदा कर देंगे अन्यथा मेरा मुवक्किल सक्षम न्यायालय में एन०आई० एक्ट के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही कर देगा जिसके जिम्मेदार आप होगें।

अतः आपको यह इतला दी जाती है 23–07–2025 मेरे समक्ष पेश हो अन्यथा विधिक कार्यावाही की जायेगी

नोटिसदाता
अनिल कुमार पाण्डेय
एडवोकेट सिविल बार
एसोसियेशन नई बिल्डिंग
कमरा नम्बर–28
दीवानी कचहरी बस्ती
दिनांक– 27–06–2025

विधिक नोटिस

अशोक कुमार वर्मा आयु लगभग 54 साल पुत्र श्री हरिप्रसाद वर्मा निवासी ग्राम भरथुआ फतेहपुर बेलाबाग थाना अहिरौली जनपद अम्बेडकरनगर खाता सं० 75001834438 आईएफएससी कोड BARBOBUPGBX शाखा चिलमा बाजार वर्तमान उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक पूर्व बैंक बडौदा यूपी ग्रामीण बैंक जनपद बस्ती हाल मुकाम सहायक अध्यापक आर०डी० यू०पी० ए०आई०सी० भटपुरवा चिलमा बाजार बस्ती द्वारा रणजीत सिंह एडवोकेट न्यू बिल्डिंग चैम्बर नं 32 सिविल बार बस्ती मो०नं० 9984079055

नोटिसदाता

विरूद्ध

सुरेन्द्र प्रताप आयु लगभग 48 साल पुत्र रामबचन निवासी ग्राम डेईडीहा बुजुर्ग पोस्ट चिलमा बाजार थाना दुबौलिया जनपद बस्ती पिन न0–272301 खाता सं0–247900100681974 आईएफएससी कोड PUNB 0247900 बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा फेटवा जनपद बस्ती उ०प्र०

नोटिस संग्रहीता

महोदय,

आप नोटिसग्रहीता महोदय को अवगत कराया जा रहा है कि मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त ने मुझ अधिवक्ता को वकालतनामा/शक्ति पत्र पर हस्ताक्षर कर अधिवक्ता नियुक्त कर निम्न बिन्दुओ की विधिक नोटिस आप नोटिसग्रहीता महोदय को देने के लिए अधिकृत किया हैः–

धारा–1 यह कि मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त व आप नोटिसग्रहीता महोदय के बीच आपस में अच्छे सम्बन्ध थे जिस वजह से मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त व आप नोटिसग्रहीता महोदय से मिलना जुलना था। इसी बीच आप नोटिसग्रहीता महोदय द्वारा मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त से लखनऊ में एलडीए की जमीन दिलाने को कहा गया जिस पर मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त ने विश्वास किया तत्पश्चात् आप नोटिसग्रहीता महोदय द्वारा मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त से 12,00,000/– (बारह लाख) रूपये एल.डी.ए. में जमीन दिलवाने के नाम पर लिया गया। जिसका भुगतान मेरे मुवक्किल स्वयं तथा अपने सगे सम्बन्धियों के द्वारा नकद व अन्तरण के माध्यम से करवाया।

धारा–2 यह कि मेरे मुवक्किल नातिदाता उपरोक्त द्वारा जब जमीन दिलाने जमीन लिखाने की बात आप नोटिसग्रहीता महोदय से किया जाने लगा तो आप नोटिसग्रहीता महोदय मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त से 12,00,000/– (बारह लाख) रूपये लेने के पश्चात आना कानी किया जाने लगा कई बार आग्रह करने के बाद मेरे मुवक्किल ने आप नोटिसग्रहीता महोदय से इस बात का जिक्र किया कि यदि आप जमीन नहीं दिला पा रहे है तो मेरा 12,00,000/– (बारह लाख) रूपये वापस कर दीजिए इस पर कई बार आना कानी व टाल–मटोल करने के बाद दिनाक 29.4.2025 ई० को आप नोटिसग्रहीता महोदय द्वारा मेरे मुवक्किल नोटिसदाता को 12,00,000/– (बारह लाख) रूपये का एक चेक सं०–515009 खाता सं0–247900100681974 आईएफएससी कोड PUNB–0247900 बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा फेटवा जनपद बस्ती उ०प्र० का दिया गया।

महोदय,

आप नोटिसग्रहीता महोदय द्वारा दिनांकित 29.4.2025 ई० को दिया गया उक्त चेक सं०–515009 को जब मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त ने भुगतान हेतु दिनाक 05.07.2025 ई० को अपने खाता सं0–75001834438 आईएफएससी कोड BARBOBUPGBX शाखा चिलमा बाजार पूर्व में बैंक बडौदा यूपी बैंक वर्तमान में उत्तर प्रदेश ग्रमीण बैंक जनपद बस्ती में लगाया गया तो आप नोटिसग्रहीता महोदय द्वारा दिय। गया उक्त चेक सं०–515009 के खाता सं0–247900100681974 आईएफएससी कोड PUNB 0247900 बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा फेटवा जनपद बस्ती उ०प्र० में प्रर्याप्त धनराशि न होने के कारण अनाद्रित हो गया व उक्त चेक रिटर्न मेमो के साथ दिनाक 08.07.2025 ई० को इस टिप्पणी के साथ मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त को प्राप्त हुआ कि उक्त चेक सं०–515009 के खाते में Fund insufficient की टिप्पणी के साथ वापस कर दिया गया। जिस वजह से मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त के पैसे 12,00,000/– (बारह लाख) रूपये का भुगतान नहीं हो सका। जिसके कारण नोटिसदाता को मानसिक कष्ट हुआ, जब इसकी सूचना आप नोटिसग्रहीता महोदय को मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त द्वारा आप नोटिसग्रहीता महोदय को जरिए दूरभाष दिया गया, किन्तु आप नोटिसग्रहीता महोदय द्वारा पैसा वापस न किये जाने की धमकी दिया जाने लगा जिस वजह से मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त ने मुझ अधिवक्ता के द्वारा यह विधिक नोटिस देने के लिए अधिकृत किया है।

धारा–3 यह कि आप द्वारा अपने खाते में प्रर्याप्त धनराशि की व्यवस्था किये बिना मेरे मुवक्किल को चेक जारी कर दिया गया जिसकी वजह से आप द्वारा दिया गया चेक अनाद्रित हो गया खाते में पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था किये बिना चेक को जारी करना एक गम्भीर अपराध है जो कि आप द्वारा कारित किया जा चुका है। जिसके लिये मेरा मुवक्किल आपके विरुद्ध विधिक कार्यवाही करने के लिए विवश है परन्तु ऐसी किसी कार्यवाही के पूर्व आपको यह नोटिस दी जा रही है कि आप चेक की धनराशि मेरे मुवक्किल को नोटिस प्राप्ति की वैधानिक अवधि के अन्दर वापस कर देवें, अन्यथा मेरा मुवक्किल आपके विरूद्ध विधिक कार्यवाही एन०आई०एक्ट के अन्तर्गत करने के लिये विवश होगा। और ऐसी सभी कार्यवाही तथा उससे उत्पन्न परिणामों के लिये आप स्वंय उत्तरदायी होंगे।

धारा–4 यह कि विधिक नोटिस कहीं से कटी फटी नहीं है, साफ सुथरी है मेरे मुवक्किल नोटिसदाता उपरोक्त के पास एक प्रति सुरक्षित है ताकि वक्त समय पर काम आवे।

अतः आपको यह इतला दी जाती है 23–07–2025 मेरे समक्ष पेश हो अन्यथा विधिक कार्यावाही की जायेगी

दिनांक 14.07.2025

नोटिस दाता
अशोक कुमार वर्मा पुत्र श्री हरिप्रसाद वर्मा ग्राम भरथुआ फतेहपुर बेलाबाग थाना अहिरौली जनपद अम्बेडकरनगर

द्वारा अधिवक्ता रणजीत सिंह
न्यू बिल्डिंग चैम्बर नं0–32
सिविल बार बस्ती
मो0नं0–9984079055

पिता ने बेटे को जहर देकर खुद भी खाया, मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मंगलवार दोपहर एक पिता ने अपने 11 वर्षीय बेटे को जहर देकर खुद भी जहर खा लिया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। घटना खेसरहा थाना क्षेत्र के विशुनपुरवा गांव की है। परिजनों के अनुसार, दोनों चार दिन पहले घर से यह कहकर निकले थे कि बाल कटवाने जा रहे हैं, लेकिन देवहंस चतुर्वेदी (32) और उनके पुत्र डेविड (11) लौटकर घर नहीं आए। तो परिवार के लोग रिश्तेदारों के यहां फोन करके खोजबीन करने लगे।

मंगलवार सुबह करीब 9 बजे देवहंस ने अपनी पत्नी सुमन को फोन कर सूचना दी कि उन्होंने और उनके बेटे ने जहर खा लिया है। वे तिगोड़वा और रामभारी के बीच कार में हैं। देवहंस ने कहा कि यदि किसी को भेजना हो तो भेज दो, हम यहीं हैं।

पत्नी की सूचना पर स्थानीय लोग जब मौके पर पहुंचे, तो बेटा डेविड मृत पाया गया। जबकि देवहंस की सांसें चल रही थीं। उसे संयुक्त चिकित्सालय, बांसी ले जाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, घटना के पीछे पारिवारिक तनाव मुख्य कारण माना जा रहा है। देवहंस के तीन भाई हैं। परमहंस, जो दिल्ली में रहते हैं। नरवदेश्वर चतुर्वेदी, जो गांव में ही रहते हैं। तीनों भाइयों में पहले ही संपत्ति का बंटवारा हो चुका था। पांच दिन पहले पत्नी सुमन मायके से लौटकर ससुराल आई थीं, जिससे तनाव और बढ़ गया था।

पथरा कोतवाली प्रभारी संतोष तिवारी ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मामले में जांच की जा रही है। खेसरहा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने कहा कि यदि परिजन तहरीर देते हैं तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

फर्जी डिग्री पर 20 साल से नौकरी कर रहीं 3 शिक्षिकाओं की सेवा समाप्त

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में तीन शिक्षिकाओं की सेवा समाप्त कर दी गई है। करीब एक साल से सस्पेंड चल रहीं तीनों के खिलाफ बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्रवाई की है। दरअसल फर्जी डिग्री की मदद से 20 साल से नौकरी कर रहीं थी। शिक्षा विभाग अब वेतन की रिकवरी करेगा। दो साल पहले जिले की तीन शिक्षिका मांधाता, कंचन और सरोज लता द्वारा किए गए फर्जीवाड़े का खुलासा यूपी एसटीएफ ने किया था। इसके बाद साल 2024 में तीनों को निलंबित कर दिया गया था। एसटीएफ की संस्तुति पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीपी सिंह ने तीनों को सस्पेंड कर अलग–अलग तारीखों में चार नोटिस जारी किया था। नोटिस का जवाब न देने पर बीते जून महीने में पांचवीं और अंतिम नोटिस बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने जारी किया। साथ ही चेतावनी दी थी कि इस बार भी जवाब न देने पर सीधे सेवा समाप्त कर दी जाएगी।

लेकिन पहले की तरह तीनों शिक्षिकाओं ने नोटिस का जवाब नहीं दिया। जिसके चलते अब ये ऐक्शन लिया गया है। सरोज लता प्राथमिक विद्यालय बरौरा, मांधाता सिंह प्राथमिक विद्यालय बरौरा और कंचन प्राथमिक विद्यालय कुर्मीपुर कार्यकत थी। निलंबित रहीं तीनों शिक्षिका कंचन, मांधाता और सरोज लता अंबेडकरनगर की ही मूल निवासी हैं। इनकी तैनाती साल 2005 में हुई थी। नियुक्ति गोंडा जिले के डिग्री कालेज से फर्जी बीएड की डिग्री के आधार पर हुई थी। सस्पेंड होने तक तीनों ने करीब पांच करोड़ रुपए से अधिक बतौर सैलरी प्राप्त किया है। सेवा समाप्ति के साथ वेतन के तौर पर ली गई रकम की रिकवरी का भी आदेश जारी हुआ है। रिकवरी आरसी जारी करके होगी। इस मामले को लेकर प्रभारी बीएसए ने बताया कि बीएड की फर्जी डिग्री से कराई गई नियुक्ति की जांच के दौरान इसका खुलासा हुआ था। नोटिस देकर जवाब मांगा गया था। लेकिन पांच नोटिस भेजने के बावजूद कोई जवाब नहीं आया। जिसके बाद कंचन, मांधाता और सरोज लता की सेवा समाप्त कर दिया गया है।

फागू बाबा के मजार पर चला योगी सरकार का बुलडोजर, हर गुरुवार लगता था मेला

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के चौखड़ा स्थित राजकीय महाविद्यालय के पास पशुचर की जमीन में बने फागू बाबा के मजार पर प्रशासन अब बुलडोजर चल गया है। मंगलवार को इसे ध्वस्त करा दिया गया। यहां प्रत्येक गुरुवार को मेला लगता था, जिसमें दोनों समुदायों के लोग पहुंचते थे। फागू बाबा की समाधि को मजार की शक्ल देने के आरोप को लेकर विवाद था। पिछले महीने डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने समाधि स्थल का धार्मिक स्वरूप बदलने का आरोप लगाते हुए वहां हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा की थी। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया। जमीन की पैमाइश कराई तो वह पशुचर की निकली। प्रशासन ने प्रत्येक गुरुवार को लगने वाले मेले पर प्रतिबंध के साथ किसी के भी प्रवेश पर रोक लगा दी थी। मंगलवार अलसुबह प्रशासनिक अमले ने उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में मजार की शक्ल में खड़े भवन को ध्वस्त करा दिया। एडीएम गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि सरकारी जमीन पर किया गया अतिक्रमण हटवा दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान किसी को भी आने–जाने की इजाजत नहीं थी। भारी पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात रही। पूर्व विधायक राघवेंद्र

प्रताप सिंह ने पत्रकार वार्ता में इस कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। वहीं इटवा के विधायक और नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि सरकार पूरी तरीके से सांप्रदायिकता और भेदभाव के आधार पर काम कर रही है। वह इस मामले को सदन में उठाएंगे।

इससे पहले जून महीने में संभल जिले के अखवंदपुर काफूरपुर गांव में सरकारी जमीन पर बनी अवैध मजार को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कराया था। यह ढांचा कथित तौर पर प्लॉट संख्या 384 पर अतिक्रमण करके बनाया गया था, जो इचोंडा कम्बोह को भावलपुर से जोड़ने वाली सार्वजनिक सड़क के लिए निर्धारित भूमि पर स्थित है।

पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम की देखरेख में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी। राजस्व निरीक्षक विजय पाल सिंह के मुताबिक यह कार्रवाई जिलाधिकारी और संभल के उप जिलाधिकारी के आदेश पर सरकारी निर्देशों के अनुसार की गई थी।

दौड़ते-दौड़ते अचानक लड़खड़ाए कदम और मैदान पर गिर पड़ा एसएसबी जवान, मौत

संवाददाता–गोरखपुर। मंगलवार की सुबह सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक जवान की दौड़ने के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ी। वह लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़े। एसएसबी जवान को आनन–फानन में नजदीक ही स्थित बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उनका चेक अप करते ही मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर के फर्टिलाइजर स्थित एसएसबी ग्राउंड में मंगलवार की सुबह परेड चल रही थी। इसी दौरान एसएसबी जवान रमेश मैदान में दौड़ रहे थे। दौड़ते–दौड़ते उनके पैर अचानक लड़खड़ाने लगे। देखते ही देखते जवान मैदान में गिरकर बेहोश हो गया।

जवान की यूं तबीयत खराब होने पर अफसर तुरंत मौके पर पहुंचे। जवान को आनन–फानन में पास ही स्थित गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में ले जाया गया लेकिन तब तक शायद काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जवान को मृत घोषित कर दिया। एसएसबी जवान मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का रहने वाले थे। उनके गांव का नाम भारी वैजनाथपुर बताया जा रहा है। जवान रमेश की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। उनकी मौत को लेकर साथी काफी दुखी हैं। जवान के परिवारीजनों को घटना के बारे में सूचना दी जा रही है।

एसएसबी जवान की अचानक मौत के बाद आशंका जताई जा रही है कि दिल का दौरा (ींमंतज ंजजंबा) पड़ने की वजह से ऐसा हुआ होगा। पुलिस ने जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही जवान की मौत की वजह पुख्ता तौर पर बताई जा सकेगी। हालांकि लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में जिस तरह अचानक हार्ट अटैक से मौतों के मामले आए हैं, जवान रमेश कुमार की मौत भी उसी तरह हुई लगती है।

अधिकारियों की लापरवाही से पर्यटन विभाग के पायलट प्रोजेक्ट पर ग्रहण

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद के हरिहरपुर नगर पंचायत में कठिनईया नदी और बाबा लक्ष्मीदास की कुटी के पर्यटन विकास पर अब ग्रहण लग गया है। शासन ने इस परियोजना को निरस्त करते हुए अबतक जारी हो चुका 3.55 करोड़ रूपए को तत्काल वापस कराने के निर्देश दिए हैं। शासन के इस निर्णय से जनपद के दक्षिणांचल में होने वाले पर्यटन विकास पर जहां बाधा आई है, वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही भी सामने आ गई। क्योंकि अधिकारियों ने यदि एनजीटी और सिचाई विभाग से पहले ही अनुमति ले लिया होता तो आज यह स्थिति नहीं आती। मजेदार तो यह है कि दो वर्ष पहले स्वीकृत इस प्रोजेक्ट पर महीनों से कार्य चल रहा था, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी तब भी नहीं चेते।

स्थानीय ग्रामीणों ने जब इसकी शिकायत किया तो जाकर नींद टूटी। पर्यटन विभाग ने कठिनईया नदी के मुकुंदपुर नार्थ रिवर फ्रंट के किनारे का पर्यटन विकास तथा नाथनगर टिकुईकोल के उत्तर बाबा लक्ष्मी दास कुटी का पर्यटन विकास, रिटेनिंग वाल, पौधारोपण, चहरदीवारी, प्रकाश व्यवस्था, जल संरक्षण एवं अन्य विकास कार्य और सौंदर्यीकरण कार्य कराते हुए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए वर्ष 2023 में 10 करोड़ रुपए स्वीकृत किए। सभी कागजी कोरम पूरा करने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कराया।

पांच दिन पहले खुदकुशी करने वाले डॉक्टर के घर आई नन्ही परी

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में तैनात जेआर डॉ. अबीशो की संदिग्ध मौत को लेकर मेडिकल कॉलेज में अभी भी चर्चा हो रही है। इस घटना के बाद सोमवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में उनकी पत्नी डॉ. निमिषा ने एक बेटी को जन्म दिया। यह ऐसा क्षण था, जब एक ओर घर में मातम पसरा था, तो दूसरी ओर बच्ची की किलकारी ने जीवन की उम्मीदें फिर से जगा दीं। डॉ. अबिषो की लाश 11 जुलाई को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल के कमरे (25–जी) में मिली थी। 12 जुलाई को उनके भाई अभिनव और ससुर साल्वे राज गोरखपुर पहुंचे और पोस्टमार्टम के बाद 13 जुलाई को उनका पार्थिव शरीर केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित घर पहुंचा, जहां उनकी अंतिम क्रिया हुई।

14 जुलाई को सुबह करीब 4 बजे पत्नी डॉ. निमिषा को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। उन्हें परिजन श्री एवीटॉम थिरुनल मेडिकल कॉलेज (एसएटी) लेकर गए, जहां सुबह सात बजे उन्होंने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। इस कठिन समय में परिवार की महिलाएं डॉ. निमिषा के साथ थीं। बेटी के जन्म की खुशी के बीच पति के गम ने पूरे माहौल को भावुक बना दिया।

डिलीवरी के दौरान डॉ. निमिषा बार–बार अपने पति अबिषो का नाम लेती रहीं। उन्हें डॉक्टरों ने समझाकर शांत किया। ससुर साल्वे राज ने बताया कि निमिषा और अबिषो दोनों की मेटरनिटी लीव की योजना भी बन चुके थे। तीन महीने तक निमिषा केरल में रहने वाली थीं और उसके बाद तीन महीने गोरखपुर जाने की तैयारी थी। गोरखपुर में डॉक्टर अबिषो के करीबी दोस्तों का कहना है कि वह छुट्टी से लौटने के बाद सभी को पार्टी देने की बात कर रहे थे। वह बेहद खुश थे कि वे जल्द ही पिता बनने वाले हैं। पिता बनने की तैयारी भी कर रहा था। इस बीच उनका इस तरह अचानक चले जाना सभी के लिए सदमे जैसा है।

स्कूली बच्चों के ले जा रही ऑटो पलटी चार बच्चे घायल

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज, हिन्दुस्तान संवाद गोरखपुर–सोनौली हाईवे पर पीपीगंज से जंगल कौड़िया जा रहा स्कूली बच्चों से भरा ऑटो मंगलवार को सुबह करीब सात बजे सामने से आई एक अन्य गाड़ी से बचाने में पलट गया। ऑटो में सवार दस बच्चों में से चार को चोटें आईं हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे अभिभावक अपने बच्चों को लेकर घर चले गए। गोरखपुर सोनौली हाईवे पर पीपीगंज के बगहीभारी गांव के सामने स्थित मस्जिद के पास से जंगल कौड़िया के एक स्कूल में बच्चों को लेकर जा रहा ऑटो सामने से एक वाहन के आने पर अनियंत्रित होकर पलट गया। उसमें सवार दस बच्चे सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने दौड़ कर ऑटो को उठाकर सभी बच्चों को उनके अभिभावकों को फोन कर बुलाया और घर भेज दिया है। इस घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई है।

ग्राम पंचायत सचिव की वार्षिक वेतन वृद्धि पर डीपीआरओ ने लगाई रोक

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल ब्लाक के थरौली गांव की बुजुर्ग महिला को जीवित होने के बावजूद अभिलेखों में मृतक दिखाने के मामले में जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार यादव ने कार्रवाई की है। डीपीआरओ ने ग्राम पंचायत सचिव नेहा सिंह की वार्षिक वेतन वृद्धि पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह कार्रवाई एडीओ पंचायत मेंहदावल अभिनव रवि वत्स की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। एडीओ पंचायत द्वारा की गई जांच में पाया गया कि शिकायतकर्ता सोनमती जीवित हैं। उन्होंने अपने जांच रिर्पोर्ट में बैंक पासबुक, आधार कार्ड, मतदाता पहचान–पत्र जैसे पर्याप्त दस्तावेज के साक्ष्य की जांच में सोनमती के जीवित होने की पुष्टि करते हुए उच्चाधिकारियों को भेजा था। जिस पर डीपीआरओ ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत सचिव नेहा सिंह के वार्षिक वेतन वृद्धि पर रोक लगाया है। क्या है पूरा मामला थरौली गांव निवासी सोनमती ने शिकायत में बताया कि उनके पति सोमई का वर्ष 2007 में निधन हो चुका है। सोमई की दो पत्नियां थीं। पहली पत्नी से एक पुत्र राजकिशोर और सोनमती से तीन पुत्र बृजराज, धर्मराज और उदयराज। है। सोनमती का नाम परिवार रजिस्टर में 29 अप्रैल 2024 तक जीवित महिला के रूप में दर्ज था, लेकिन 30 अगस्त 2024 को अचानक उन्हें मृतक घोषित कर दिया गया। सोनमती ने आरोप लगाया कि लाखों की संपत्ति हड़पने की साजिश के तहत यह फर्जीवाड़ा किया गया। डीपीआरओ का निर्देश खुले मंच पर हो सुनवाई एडीओ पंचायत की रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हुए डीपीआरओ ने निर्देश दिए हैं कि गांव में खुली बैठक बुलाकर सोनमती को परिवार रजिस्टर में पुनरू जीवित दर्शाया जाए और उन्हें न्याय दिलाया जाए। इस बारे में डीपीआरओ मनोज कुमार यादव ने बताया कि जांच में लापरवाही पाए जाने पर सचिव की वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी गई है। पीड़िता को शीघ्र न्याय मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अवधेश कुमार चौधरी पुत्र मनीराम चौधरी ग्राम– नौली, पोस्ट– उमरिया, विकास खंड बहादुरपुर, जनपद– बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। त्रुटिबश ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम अवधेश चौधरी हो गया है जो गलत है। हमारे ड्राइविंग लाइसेंस में आधार कार्ड के अनुसार हमारा नाम अवधेश कुमार चौधरी पुत्र मनीराम चौधरी कराया जाय।

(अवधेश कुमार चौधरी)
ग्राम– नौली, पोस्ट– उमरिया
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

जगराम
बनाम
रामफेर आदि

1. रामफेर पुत्र जगन्नाथ निवासी ग्राम पकरैला तप्पा खानकोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–07–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 17 महीना 07 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 10 माह 07 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दालेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0– 14/2021

शिवकुमार
बनाम
जगदीश आदि

4/1 रामभवन उम्र लगभग 32 साल पुत्र रामसजीवन 4/2 भानमती उम्र लगभग 70 साल विधवा रामसजीवन निवासीगण मौजा विजहरडूहा तप्पा परगना रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–07–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय– श्रीमान ग्राम न्यायालय तहसील रूधौली जिला बस्ती
मूलवाद सं0– 275/2009

सियाराम आदि
बनाम
रघुवर आदि

2/1 अनार कली उम्र लगभग 58 साल पत्नी रामसुमेर 2/2 रामचन्द्र उम्र करीब 45 साल 2/2 हरिश्चन्द्र उम्र करीब 43 साल 2/4 गोपाल उम्र करीब 40 साल 2/5 रामलक्ष्मन उम्र करीब 37 साल 2/6 धर्मेन्द्र उम्र करीब 34 साल पुत्रगण रामसुमेर साकिनान मौजा सेहुड़ाखुर्द तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–07–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–1342/2020

सुशील चन्द्र ओझा आदि
बनाम
बुद्धिसागर आदि

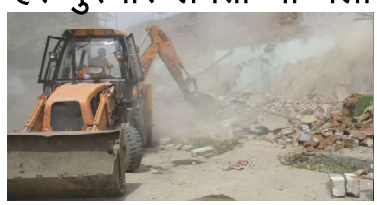

11/1 प्रभादित्य शुक्ल पुत्र स्व0 श्रीकृष्ण शुक्ल 11/2 आभादित्य शुक्ल पुत्र स्व0 श्रीकृष्ण शुक्ल 11/3 श्रीमती सरोज शुक्ल पत्नी स्व0 श्रीकृष्ण शुक्ल साकिन भरवलिया हाल मुकाम मोहल्ला कटरा बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 12/1 माया देवी पत्नी लक्ष्मीकृष्ण शुक्ल 12/2 अविनाश शुक्ल पुत्र स्व लक्ष्मीकृष्ण शुक्ल साकिनान ककुआ उर्फ ओझागंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–08–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 15 माह 07 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 71/2025
रेखा–सायलान

1. रेखा बेवा सुभास चन्द्र उम्र लगभग 32 साल साकिन सिगही तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. हिमांशु उम्र लगभग 11 साल पुत्र 3. देवांशी उम्र लगभग 6 साल पुत्री 4. अन्या उम्र लगभग 5 साल पुत्री वली माता रेख वलदायत खुद हकीकी सभी निवासीगण साकिन स चन्द्र उम्र लगभग 32 साल साकिन सिगही तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–07–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 22–07–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 127/2025
मंजू भाषकर–सायलान

1. मंजू भाषकर उम्र लगभग 48 साल पुत्री सुमेसर प्रसाद पत्नी महेन्द्र भाषकर निवासी टाइप 2/1 गवर्नमेन्ट पालिटेक्निक कम्पाउन्स के पास शास्त्री नगर गाजियाबाद हाल मुकाम ग्राम सिसवारी पोस्ट पुरैना पाण्डेय तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 2. कालिन्दी चौधरी उम्र लगभग 44 साल 3. अर्चना चौधरी उम्र लगभग 41 साल पुत्रीगण सुमेश्वर निवासीगण ग्राम सिसवारी पोस्ट पुरैना पाण्डेय तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–08–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 28–08–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0– C202117000000323
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सलाहुद्दीन आदि
बनाम
श्रीमती कलीमुन्निशा आदि

1. श्रीमती कलीमुन्निशा पत्नी मुस्ताक अहमद निवासी कस्बा मेहदावल मु0 पश्चिम टोला तप्पा व तहसील मेंहदावल परगना मगहर पूरव जिला संतकबीरनगर 2/1 अब्दुल कलाम 2/2 ताहिर पुत्रगण हबीबुल्लाह ग्राम बेलहरखुर्द तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 3. ग्राम पंचायत लोहरसन द्वारा प्रधान निवासी लोहरसन तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 4. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीर नगर

तारीख पेशी 24–07–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 07 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 158/2025
जन्त्री–सायलान

1. जन्त्री उम्र 39 वर्ष पत्नी राम प्रकाश पुत्री दयाराम चौहान 2. सुनीता उम्र लगभग 36 वर्ष पत्नी शम्भूनाथ पुत्री दयाराम चौहान 3. सावित्री उम्र लगभग 44 वर्ष पत्नी विजयपाल पुत्री दयाराम चौहान निवासीगण साकिन बसंतपुर पोस्ट विशेषरगंज थाना दुबौलिया तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–07–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 29–07–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com